

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS



APRIL-2026

Your Path to Success

SECTION - A

प्रश्न 1 - केंद्रीय प्रवृत्ति का माप आँकड़ों को संक्षिप्त करता है :

(A) एकल मूल्य में

(B) दो मूल्यों में

(C) तीन मूल्यों में

(D) किसी भी संख्या के मूल्यों में

उत्तर – (A) एकल मूल्य में

प्रश्न 2 – चतुर्थक विचलन बराबर होता है :

(A) $\frac{Q_1-Q_3}{2}$

(B) $\frac{Q_2-Q_1}{2}$

(C) $\frac{Q_3-Q_1}{2}$

(D) $\frac{Q_1-Q_2}{2}$

उत्तर - (C) $\frac{Q_3-Q_1}{2}$

प्रश्न 3 - सहसंबंध हो सकता है :

(A) ऋणात्मक

(B) रैखिक

(C) गैर-रैखिक

(D) उपर्युक्त में से कोई भी

उत्तर - (D) उपर्युक्त में से कोई भी

प्रश्न 4 - सूचकांक इस प्रकार के परिवर्तन को मापता है :

(A) निरपेक्ष

(B) सापेक्ष

(C) निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों

(D) वास्तविक

उत्तर - (B) सापेक्ष

प्रश्न 5 - किसी अर्थव्यवस्था की मूलभूत केंद्रीय समस्या संबंधित है :

(A) उत्पादन से

(B) उपभोग से

(C) वितरण से

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 6 - उत्पादन संभावना वक्र वस्तुओं के इतने समूहों की उत्पादन संभावनाएँ दर्शाता है :

(A) 1 **(B) 2**

(C) 3 **(D) कोई भी संख्या**

उत्तर - (B) 2

प्रश्न 7 - उत्पादन के वितरण की समस्या इस केंद्रीय समस्या से संबंधित है :

(A) क्या उत्पादन किया जाए **(B) कैसे उत्पादन किया जाए**

(C) किसके लिए उत्पादन किया जाए **(D) उपर्युक्त सभी**

उत्तर - (C) किसके लिए उत्पादन किया जाए

प्रश्न 8 - X और Y स्थानापन्न वस्तुएँ हैं। जब X की कीमत बढ़ती है, तो Y की माँग :

(A) बढ़ती है **(B) घटती है**

(C) अपरिवर्तित रहती है **(D) उपर्युक्त में से कोई भी**

उत्तर - (A) बढ़ती है

प्रश्न 9 - माँग की लोच का निम्नलिखित आयाम है :

(A) कीमत लोच **(B) आय लोच**

(C) आड़ी लोच **(D) उपर्युक्त सभी**

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 10 - अर्थशास्त्र में निम्नलिखित को लागत माना जाता है :

(A) स्पष्ट लागत **(B) अंतर्निहित लागत**

(C) सामान्य लाभ **(D) उपर्युक्त सभी**

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 11 - उत्पादन के उस स्तर पर जब सीमांत लागत औसत लागत के बराबर हो जाती है, तो औसत लागत हो जाती है:

(A) न्यूनतम **(B) स्थिर**

(C) (A) और (B) दोनों **(D) अधिकतम**

उत्तर - (C) (A) और (B) दोनों



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 12 - निम्नलिखित में से कौन-सा वस्तु की पूर्ति का निर्धारक तत्व नहीं है ?

(A) प्रौद्योगिकी **(B) कर**

(C) क्रेता की आय **(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं**

उत्तर - (C) क्रेता की आय

प्रश्न 13 - "पूर्ति की गई मात्रा में परिवर्तन" किसमें परिवर्तन के कारण होता है :

(A) वस्तु की कीमत **(B) संबंधित वस्तु की कीमत**

(C) आगत की कीमत **(D) उपर्युक्त सभी**

उत्तर - (A) वस्तु की कीमत

प्रश्न 14 - पूर्णतया लोचदार पूर्ति वक्र एक सरल रेखा वक्र होता है जो है :

(A) ऊपर की ओर ढलान वाला **(B) नीचे की ओर ढलान वाला**

(C) X-अक्ष के समानांतर **(D) Y-अक्ष के समानांतर**

उत्तर - (C) X-अक्ष के समानांतर

प्रश्न 15 - किसमें विक्रेताओं की संख्या सबसे कम होती है ?

(A) एकाधिकार **(B) अल्पाधिकार**

(C) एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता **(D) उपर्युक्त सभी**

उत्तर - (A) एकाधिकार

प्रश्न 16 - उत्पादन का मूल्य बराबर होता है :

(A) $Q \times P$ **(B) बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन**

(C) (A) और (B) दोनों **(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं**

उत्तर - (C) (A) और (B) दोनों

प्रश्न 17 - राष्ट्रीय आय के मापन में दलाल को प्राप्त कमीशन को माना जाता है :

(A) लाभ **(B) मजदूरी**

(C) उत्पादन **(D) हस्तांतरण**

उत्तर - (C) उत्पादन



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 18 - उद्यमी को प्राप्त होने वाली आय है :

(A) मजदूरी **(B) ब्याज**

(C) लाभ **(D) हस्तांतरण आय**

उत्तर - (C) लाभ

प्रश्न 19 - मुद्रा पूर्ति का व्यापक माप है :

(A) M_1 **(B)** M_2

(C) M_3 **(D)** M_4

उत्तर - (C) M_3

प्रश्न 20 - सरकारी बजट तैयार किया जाता है :

(A) केंद्रीय स्तर पर **(B) राज्य स्तर पर**

(C) स्थानीय स्तर पर **(D) उपर्युक्त सभी**

उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 21 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

अंकगणितीय माध्य की गणना _____ विधि तथा कल्पित _____ विधि का प्रयोग करके की जाती है।

उत्तर – प्रत्यक्ष, माध्य

प्रश्न 22 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) _____ का माप हमें आँकड़ों की विचलनशीलता की कोटि जानने में सहायता करता है।

(ii) किसी वितरण में अधिकतम और न्यूनतम मूल्य के बीच के अंतर को _____ कहते हैं।

उत्तर – (i) अपकिरण (ii) विस्तार (परास)

प्रश्न 23 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) कीमत और पूर्ति के बीच संबंध _____ सहसंबंध का एक उदाहरण है।

(ii) यदि दो चर समान दिशा में और समान अनुपात में परिवर्तित होते हैं, तो दोनों के बीच सहसंबंध _____ धनात्मक होता है।

उत्तर – (i) धनात्मक, (ii) पूर्ण



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 24 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) जब किसी वस्तु की माँग बढ़ती है तो उसकी कीमत _____ है।

(ii) कीमत और माँग में _____ संबंध होता है।

उत्तर – (i) बढ़ती, (ii) विपरीत

प्रश्न 25 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

माँग में _____ का अर्थ समान _____ पर माँग में वृद्धि होना है।

उत्तर - वृद्धि, कीमत

प्रश्न 26 - सत्य या असत्य बताइए :

(i) सामान्य लाभ व्यावसायिक लागत का एक भाग है।

(ii) उत्पादन में वृद्धि के साथ औसत स्थिर लागत स्थिर रहती है।

उत्तर - (i) सत्य, (ii) असत्य

प्रश्न 27 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

स्पष्ट लागत का दूसरा नाम _____ लागत है तथा अंतर्निहित लागत का दूसरा नाम _____ लागत है।

उत्तर – मौद्रिक, आरोपित

प्रश्न 28 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

_____ और _____ की शक्तियाँ कीमत का निर्धारण करती हैं।

उत्तर - माँग, पूर्ति

प्रश्न 29 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

उत्पादन, उपभोग और निवेश की तीन आर्थिक क्रियाओं के बीच संबंध यह है कि वे परस्पर _____ और _____ हैं।

उत्तर - संबंधित, निर्भर

प्रश्न 30 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) वह मौद्रिक प्राप्ति जिसके लिए प्राप्तकर्ता को कोई त्याग नहीं करना पड़ता, _____ आय कहलाती है।

(ii) विद्यमान वस्तु के _____ में वृद्धि करना ही उत्पादन है।

उत्तर – (i) हस्तांतरण, (ii) मूल्य



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 31 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

कर्मचारियों के पारिश्रमिक में कर्मचारी को प्राप्त होने वाले सभी _____ तथा _____ लाभ सम्मिलित होते हैं।

उत्तर – मौद्रिक, गैर-मौद्रिक

प्रश्न 32 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) उपभोग और आय के स्तर के बीच के संबंध को उपभोग _____ कहते हैं।

(ii) उपभोग और आय के बीच के अनुपात को _____ उपभोग प्रवृत्ति कहते हैं।

उत्तर – (i) फलन, (ii) औसत

प्रश्न 33 - सत्य या असत्य बताइए :

(i) बचत वक्र X-अक्ष को काटता है।

(ii) उपभोग वक्र Y-अक्ष को काटता है।

उत्तर – (i) सत्य, (ii) सत्य

प्रश्न 34 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

सीमा आवश्यकता साख नियंत्रण की _____ विधि है जबकि बैंक दर _____ विधि है।

उत्तर – गुणात्मक, परिमाणात्मक

प्रश्न 35 - रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

सरकार की पूँजीगत प्राप्तियों के प्रमुख स्रोत ऋणों की वसूली, _____ तथा _____ हैं।

उत्तर – उधार (ऋण), विनिवेश

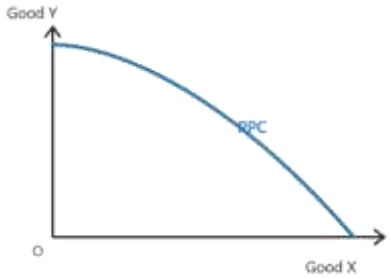


All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

SECTION - B

प्रश्न 36 - अक्षों तथा वक्र को स्पष्ट रूप से अंकित करते हुए एक सामान्य उत्पादन संभावना वक्र बनाइए।

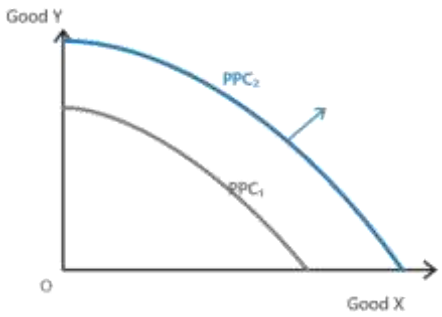
उत्तर – उत्पादन संभावना वक्र (PPC) दो वस्तुओं के उन संभावित संयोगों को दर्शाता है, जिनका उत्पादन अर्थव्यवस्था दिए गए संसाधनों व तकनीक से कर सकती है। यह नीचे की ओर ढलान वाला तथा मूल बिंदु के नतोदर होता है, क्योंकि एक वस्तु बढ़ाने हेतु दूसरी घटानी पड़ती है।



अथवा

संसाधनों की संवृद्धि को दर्शाते हुए एक उत्पादन संभावना वक्र बनाइए।

उत्तर – संसाधनों में वृद्धि अथवा प्रौद्योगिकी में सुधार से अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता बढ़ जाती है। इससे उत्पादन संभावना वक्र (PPC) बाहर (दाईं ओर) खिसक जाता है, जो दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था अब दोनों वस्तुओं की अधिक मात्रा का उत्पादन कर सकती है।



प्रश्न 37 - उत्पादन की श्रम-प्रधान तथा पूँजी-प्रधान तकनीकों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

आधार	श्रम-प्रधान तकनीक	पूँजी-प्रधान तकनीक
मुख्य आगत	पूँजी की अपेक्षा श्रम का अधिक प्रयोग।	श्रम की अपेक्षा पूँजी व मशीनों का अधिक प्रयोग।
उपयुक्तता	जब श्रम प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो।	जब पूँजी व मशीनें सुलभ हों।
उदाहरण	हथकरघा बुनाई व हस्तशिल्प।	आधुनिक स्वचालित कारखाने।

अथवा



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर – संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग का अर्थ सभी उपलब्ध संसाधनों का बिना किसी अपव्यय के पूर्ण एवं कुशलतापूर्वक प्रयोग करना है। PPC पर स्थित कोई भी बिंदु संसाधनों का पूर्ण व कुशल उपयोग दर्शाता है, जबकि PPC के अंदर स्थित बिंदु अल्प-उपयोग अथवा बेरोजगारी दर्शाता है।

प्रश्न 38 - व्यक्तिगत माँग तथा बाजार माँग में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

आधार	व्यक्तिगत माँग	बाजार माँग
अर्थ	दी गई कीमत पर एक उपभोक्ता द्वारा माँगी गई मात्रा।	उसी कीमत पर सभी उपभोक्ताओं द्वारा माँगी गई कुल मात्रा।
गणना	एक उपभोक्ता की माँग पर आधारित।	सभी व्यक्तिगत माँगों के योग से प्राप्त।
उदाहरण	एक छात्र द्वारा सेब की माँग।	सभी छात्रों की कुल सेब माँग।

प्रश्न 39 - माँग की लोच का सामान्य अर्थ समझाइए।

उत्तर - माँग की लोच यह मापती है कि माँग के किसी निर्धारक तत्व में परिवर्तन से माँगी गई मात्रा में कितनी अनुक्रिया होती है। इसके तीन आयाम हैं—कीमत लोच, आय लोच तथा आड़ी लोच। कीमत लोच वस्तु की अपनी कीमत में परिवर्तन के प्रति माँग की अनुक्रिया मापती है।

प्रश्न 40 - पूर्ति की कीमत लोच जिन कारकों पर निर्भर करती है, उनमें से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – 1. वस्तु की प्रकृति : नाशवान वस्तुओं (जैसे ताजी सब्जियाँ) की पूर्ति कम लोचदार होती है क्योंकि उन्हें लंबे समय तक संग्रहित नहीं किया जा सकता।

2. समय अवधि : अति अल्पकाल में पूर्ति बेलोचदार होती है, किंतु दीर्घकाल में उत्पादक संसाधन बदलकर पूर्ति आसानी से बढ़ा सकते हैं।

अथवा

यदि सरकार वस्तुओं पर कर कम कर देती है, तो पूर्ति किस प्रकार प्रभावित होती है? समझाइए।

उत्तर – वस्तुओं पर कर कम करने से प्रति इकाई उत्पादन लागत घट जाती है। इससे उत्पादक उसी कीमत पर अधिक पूर्ति करने को प्रेरित होते हैं और पूर्ति वक्र दाईं ओर खिसक जाता है। अन्य बातें समान रहने पर संतुलन कीमत घटती है तथा संतुलन मात्रा बढ़ती है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 41 - उपभोग फलन को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर – उपभोग फलन उपभोग व्यय तथा आय के बीच फलनात्मक संबंध दर्शाता है। आय बढ़ने पर उपभोग भी बढ़ता है, किंतु आय से धीमी दर पर।

समीकरण: $C = a + bY$

यहाँ, C = उपभोग, a = स्वायत्त उपभोग, b = सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC), तथा Y = आय है, जहाँ $0 < b < 1$।

अथवा

बचत फलन को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर - बचत फलन बचत तथा आय के स्तर के बीच फलनात्मक संबंध दर्शाता है। आय का वह भाग जो उपभोग पर खर्च नहीं होता, बचत कहलाता है।

$$S = Y - C$$

चूँकि $C = a + bY$,

$$S = -a + (1 - b)Y$$

यहाँ, S = बचत तथा $1 - b$ = सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) है।

प्रश्न 42 - वाणिज्यिक बैंकों के चालू खाता तथा बचत खाता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

आधार	चालू खाता	बचत खाता
उपयोगकर्ता	व्यावसायिक फर्मों द्वारा रखा जाता है।	परिवारों व व्यक्तियों द्वारा खोला जाता है।
आहरण	बिना प्रतिबंध कितनी भी बार लेन-देन।	निकासी की संख्या पर कुछ सीमाएँ।
ब्याज	इस पर ब्याज नहीं मिलता।	जमा पर नाममात्र ब्याज मिलता है।
उद्देश्य	नियमित व्यावसायिक लेन-देन।	व्यक्तिगत बचत व दैनिक बैंकिंग।

प्रश्न 43 - प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करके एक कक्षा के माध्य अंकों की गणना कीजिए :

अंक	0-8	8-16	16-24	24-32	32-40
छात्र संख्या	2	4	8	10	6

उत्तर – प्रत्यक्ष विधि में प्रत्येक वर्ग के मध्य-बिंदु (m) को आवृत्ति (f) से गुणा करके योग Σfm को कुल आवृत्ति Σf से भाग देते हैं।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सूत्रः

$$\bar{X} = \frac{\sum fm}{\sum f}$$

यहाँ, m प्रत्येक वर्ग अंतराल का मध्य-बिंदु है (जहाँ L_1 = निम्न सीमा तथा L_2 = उच्च सीमा है):

$$m = \frac{L_1 + L_2}{2}$$

गणना तालिका

अंक	f	**मध्य-बिंदु** (m)	(fm)
0–8	2	4	8
8–16	4	12	48
16–24	8	20	160
24–32	10	28	280
32–40	6	36	216
कुल	30	—	712

अतः प्रत्यक्ष विधि द्वारा माध्य की गणना करने पर,

$$\bar{X} = \frac{712}{30}$$

$\bar{X} = 23.73$ अंक

उत्तर: कक्षा के विद्यार्थियों के माध्य अंक 23.73 अंक हैं।

प्रश्न 44 - जब किसी वस्तु की कीमत ₹2 प्रति इकाई गिरती है, तो उसकी माँग 50 इकाइयों से बढ़कर 70 इकाइयाँ हो जाती है। माँग की कीमत लोच 2 है। परिवर्तन से पूर्व वस्तु की कीमत की गणना कीजिए।

उत्तर – दिया है:

- प्रारंभिक माँगी गई मात्रा, $Q_1 = 50$
- नई माँगी गई मात्रा, $Q_2 = 70$
- कीमत में परिवर्तन, $\Delta P = -₹2$
- माँग की कीमत लोच, $E_d = -2$
- प्रारंभिक कीमत, $P = ?$



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सूत्र:

$$E_d = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q_1}$$

चरण 1: माँगी गई मात्रा में परिवर्तन की गणना करें।

$$\Delta Q = Q_2 - Q_1 = 70 - 50 = 20$$

चरण 2: सूत्र में मान प्रतिस्थापित करें।

$$-2 = \frac{20}{-2} \times \frac{P}{50}$$

$$-2 = -10 \times \frac{P}{50}$$

$$-2 = -\frac{P}{5}$$

$$P = 2 \times 5 = ₹10$$

प्रारंभिक कीमत (P) = ₹10 प्रति इकाई

उत्तर: परिवर्तन से पूर्व वस्तु की कीमत ₹10 प्रति इकाई थी। ऋणात्मक चिह्न कीमत और माँगी गई मात्रा के बीच विपरीत संबंध दर्शाता है।

प्रश्न 45 - किसी वस्तु की कीमत में 10 प्रतिशत वृद्धि होने पर उसकी पूर्ति 60 इकाइयों से बढ़कर 75 इकाइयाँ हो जाती है। पूर्ति की कीमत लोच की गणना कीजिए।

उत्तर - दिया है:

- प्रारंभिक पूर्ति, $Q_1 = 60$
- नई पूर्ति, $Q_2 = 75$
- कीमत में प्रतिशत वृद्धि (%ΔP) = 10%

सूत्र:

$$\text{पूर्ति की कीमत लोच } (E_s) = \frac{\text{पूर्ति की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$E_s = \frac{\%\Delta Qs}{\%\Delta P}$$

चरण 1: पूर्ति में परिवर्तन की गणना करें।

$$\Delta Q_s = 75 - 60 = 15$$



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

चरण 2: पूर्ति में प्रतिशत परिवर्तन की गणना करें।

$$\%\Delta Q_s = \frac{15}{60} \times 100$$

$$\%\Delta Q_s = 25\%$$

चरण 3: पूर्ति की कीमत लोच की गणना करें।

$$E_s = \frac{25}{10}$$

$$E_s = 2.5$$

उत्तर: पूर्ति की कीमत लोच 2.5 है। चूँकि यह 1 से अधिक है, अतः पूर्ति इकाई से अधिक लोचदार है।

प्रश्न 46 - उच्चतम निर्धारित कीमत तथा इसके प्रभावों को समझाइए।

उत्तर – उच्चतम निर्धारित कीमत सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अत्यधिक ऊँची कीमतों से बचाने के लिए संतुलन कीमत से नीचे निर्धारित की गई अधिकतम कीमत है। **उदाहरण:** किरायेदारों के हितों की रक्षा हेतु मकानों का अधिकतम किराया तय करना।

उच्चतम निर्धारित कीमत के प्रभाव:

1. **उपभोक्ताओं का संरक्षण:** यह विक्रेताओं को निर्धारित सीमा से अधिक कीमत वसूलने से रोकती है।
2. **अधिमाँग:** नियंत्रित कीमत पर माँगी गई मात्रा पूर्ति से अधिक हो जाती है, जिससे वस्तु का अभाव उत्पन्न होता है।

अथवा

न्यूनतम निर्धारित कीमत तथा इसके प्रभावों को समझाइए।

उत्तर – न्यूनतम निर्धारित कीमत सरकार द्वारा उत्पादकों या विक्रेताओं को अत्यधिक कम कीमतों से बचाने के लिए संतुलन कीमत से ऊपर निर्धारित की गई न्यूनतम कीमत है। **उदाहरण:** श्रमिकों के हितों की रक्षा हेतु न्यूनतम मजदूरी कानून लागू करना।

न्यूनतम निर्धारित कीमत के प्रभाव:

1. **विक्रेताओं का संरक्षण:** यह बाजार कीमत को निर्धारित न्यूनतम स्तर से नीचे गिरने से रोकती है।
2. **अधिपूर्ति:** इस प्रभावी न्यूनतम कीमत पर पूर्ति की मात्रा माँग से अधिक हो सकती है, जिससे आधिक्य उत्पन्न होता है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 47 - किसी व्यक्ति के उपभोग करने के निर्णय को प्रभावित करने में ब्याज की दर किस प्रकार भूमिका निभाती है? समझाइए।

उत्तर – ब्याज की दर किसी व्यक्ति के वर्तमान में उपभोग करने अथवा भविष्य के लिए बचत करने के निर्णय को प्रभावित करती है।

ब्याज दर की भूमिका:

1. **ऊँची ब्याज दर:** लोग अधिक ब्याज कमाने हेतु बैंकों में धन बचाते हैं और कुछ उपभोग स्थगित कर देते हैं।
2. **कम ब्याज दर:** बचत का प्रतिफल घटने से वर्तमान उपभोग को प्रोत्साहन मिलता है।
3. **तात्कालिक आवश्यकताएँ:** केन्स के अनुसार, अल्पकाल में लोग ब्याज दर की परवाह किए बिना आवश्यक उपभोग करते हैं।

अथवा

पूँजी निवेश संबंधी निर्णय को प्रभावित करने में ब्याज की दर किस प्रकार भूमिका निभाती है? समझाइए।

उत्तर – ब्याज की दर उत्पादक गतिविधियों के लिए उधार लिए गए धन की लागत निर्धारित करके पूँजी निवेश के निर्णय को प्रभावित करती है।

ब्याज दर की भूमिका:

1. **ऊँची ब्याज दर:** ऋण महँगा होने से उत्पादक मशीनों व भवनों में निवेश घटाते या स्थगित करते हैं।
2. **कम ब्याज दर:** ऋण सस्ता होने से उत्पादकों को अधिक निवेश करने की प्रेरणा मिलती है।
3. **आर्थिक संवृद्धि:** उच्च निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

प्रश्न 48 - बजटीय नीति के मुद्दे 'सरकार को किन मदों पर खर्च करना चाहिए' को समझाइए।

उत्तर - सरकार को बजट द्वारा निर्णय लेना पड़ता है कि सीमित वित्तीय संसाधनों को विभिन्न सार्वजनिक आवश्यकताओं पर कैसे आवंटित किया जाए।

सरकारी व्यय के मुख्य क्षेत्र:

1. **आर्थिक संवृद्धि:** उद्योगों, सड़कों, रेलवे व आधारभूत संरचना पर व्यय आर्थिक विकास बढ़ाता है।
2. **लोक कल्याण:** शिक्षा, स्वास्थ्य व आवश्यक सेवाओं पर व्यय से जीवन-स्तर सुधरता है।
3. **असमानता में कमी:** गरीब वर्गों के कल्याण कार्यक्रमों से आय असमानता घटती है।
4. **कीमत स्थिरता:** आवश्यक वस्तुओं व सार्वजनिक वितरण पर व्यय से कीमतें स्थिर रहती हैं।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

सरकारी बजट के 'रोजगार के अवसर प्रदान करने' के उद्देश्य को समझाइए।

उत्तर - रोजगार के अवसर प्रदान करना सरकारी बजट का महत्वपूर्ण उद्देश्य है, जिसका लक्ष्य कार्य के अवसर सृजित कर आय बढ़ाना है।

रोजगार सृजन के उपाय:

1. **सार्वजनिक उद्यम:** सरकारी उपक्रमों की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं।
2. **सार्वजनिक निर्माण:** सड़कों, पुलों, नहरों व भवनों के निर्माण से श्रमिकों को काम मिलता है।
3. **निजी उद्योगों को प्रोत्साहन:** आर्थिक सहायता व कर रियायतें उत्पादन और रोजगार बढ़ाती हैं।
4. **लघु उद्योग:** सस्ते ऋण व अनुदान से कुटीर एवं लघु उद्योगों में रोजगार बढ़ता है।

प्रश्न 49 - माध्यिका से माध्य विचलन की गणना कीजिए :

x	**5**	**10**	**15**	**20**	**25**
f	**2**	**5**	**8**	**10**	**5**

उत्तर – चरण 1: दी गई श्रेणी से कुल आवृत्ति तथा संचयी आवृत्ति की गणना करें।

$$N = \sum f = 2 + 5 + 8 + 10 + 5 = 30$$

x	f	संचयी आवृत्ति (cf)
5	2	2
10	5	7
15	8	15
20	10	25
25	5	30

चरण 2: श्रेणी की माध्यिका की गणना करें।

खंडित आवृत्ति श्रेणी में संचयी आवृत्ति स्तंभ तथा सूत्र $(N + 1)/2$ द्वारा माध्यिका की स्थिति ज्ञात की जाती है।

माध्यिका की स्थिति = $\frac{N+1}{2}$ वाँ पद

= $\frac{30+1}{2} = 15.5$ वाँ पद



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

15.5 के बराबर या उससे ठीक अगली अधिक संचयी आवृत्ति 25 है, जिसके संगत x का मान 20 है। अतः माध्यिका (Md) = 20 है।

$$M_d = 20$$

चरण 3: माध्यिका से निरपेक्ष विचलनों की सहायता से माध्य विचलन की गणना करें।

सूत्र:

$$MD = \frac{\sum f|x - M_d|}{N}$$

x	f	$\|x - M_d\|$	$f\|x - M_d\|$
5	2	15	30
10	5	10	50
15	8	5	40
20	10	0	0
25	5	5	25
कुल	30	—	145

चरण 4: सूत्र में मान प्रतिस्थापित करें।

$$MD = \frac{145}{30}$$

$$MD = 4.8333 \ldots$$

माध्यिका से माध्य विचलन (MD) = 4.83

उत्तर: दिए गए आँकड़ों की माध्यिका से माध्य विचलन 4.83 है।

प्रश्न 50 - निजी आय की गणना कीजिए :

		₹ करोड़
(i)	NDP_{fc}	1000
(ii)	राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज	10
(iii)	गैर-विभागीय उद्यमों की बचत	20
(iv)	सरकार से निवल चालू हस्तांतरण	15
(v)	शेष विश्व से निवल चालू हस्तांतरण	30



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(vi)	**सरकार को संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय**	**5**
(vii)	**विदेशों से निवल साधन आय**	**7**

उत्तर – चरण 1: सर्वप्रथम निजी क्षेत्र को घरेलू उत्पाद से प्राप्त होने वाली आय की गणना करें।

सूत्रः

निजी क्षेत्र को घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय = NDP_{fc} – सरकारी संपत्ति व उद्यमशीलता से आय – गैर-विभागीय उद्यमों की बचत

दिए गए मानों को सूत्र में प्रतिस्थापित करने पर:

= 1,000 – 5 – 20

= ₹975 करोड़

चरण 2: अब निजी आय की गणना करें।

सूत्रः

निजी आय = निजी क्षेत्र को घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय + विदेशों से निवल साधन आय + राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज + सरकार से निवल चालू हस्तांतरण + शेष विश्व से निवल चालू हस्तांतरण

दिए गए मानों को सूत्र में प्रतिस्थापित करने पर:

= 975 + 7 + 10 + 15 + 30

निजी आय = ₹1,037 करोड़

उत्तर: अतः दिए गए आँकड़ों के आधार पर निजी आय **₹1,037 करोड़** है।

अथवा

राष्ट्रीय आय की गणना कीजिए :

		(₹000)
(i)	**कर्मचारियों का पारिश्रमिक**	**2,000**
(ii)	**लाभ**	**500**
(iii)	**लगान (किराया)**	**70**
(iv)	**लाभांश**	**100**
(v)	**निर्यात**	**300**



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(vi)	आयात	400
(vii)	विदेशों से निवल साधन आय	(-) 200
(viii)	ब्याज	250

उत्तर - चरण 1: राष्ट्रीय आय ज्ञात करने के लिए आय विधि का सूत्र लिखें।

आय विधि का उपयोग करते हुए:

राष्ट्रीय आय = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + लाभ + लगान + ब्याज + विदेशों से निवल साधन आय

चरण 2: संबंधित आँकड़ों की पहचान कर सूत्र में मान प्रतिस्थापित करें।

निर्यात और आयात को इस गणना में शामिल नहीं किया जाता क्योंकि वे व्यय विधि के घटक हैं। इसी प्रकार लाभांश को भी अलग से नहीं जोड़ा जाता क्योंकि वह पहले से ही कुल लाभ में सम्मिलित होता है:

राष्ट्रीय आय = 2,000 + 500 + 70 + 250 − 200 = 2,820 − 200 = ₹2,620 हजार

उत्तर: अतः राष्ट्रीय आय **₹2,620 हजार** अर्थात् **₹26,20,000** है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/



Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success